पहचान

पहचान हमारी दुनिया में
आकर जाने का नाम नहीं
संघर्ष हमारे पल-पल का
जीवन का मोहताज नहीं।

भीड़ भरी इस दुनिया में
राह तलाशता है ये मन
संकल्प भरे मंजिल में अब
ललक बने मेरी पहचान।

जीवन के हर रूप में मेरी
काबिलियत पर शुबहा नहीं
लड़कर दुनिया की रीति से
मंजिल पर ही मेरी नजर रही ।

चाह नहीं मुझमें ऐसी कि
गुजरे में करे न कोई बात मेरी
हिम्मत से पहचान बने
प्रेरक मैं बनूँ यहाँ सबकी ।

जीवन की पगडंडी में
भार न मेरा धरा पर हो
ना सीता ना द्रोपदी सा
कुलवधू-सी मेरी पहचान हो ।

कली, फूल-सी फैलूँ मैं
खुशबू-सा बिखरूँ सब पर
इसी धरा पर मिटकर फिर मैं
इसी धरा पर सिमटूँ मैं ।

अपनी पहचान से ना अनजान रहूँ
ना मैं किसी की पहचान बनूँ
इस धरा की माटी और हवा की
हर पल हर पल साज बनूँ मैं ।

पहचान हमारी दुनिया में
आकर जाने का नाम नहीं
संघर्ष हमारे पल-पल का
जीवन का मोहताज नहीं।।

Anju Gupta, SYBA - Hindi
++++++++++++++++++++++++++++++++++